Daily Current Affairs

Date : 09 February, 2026

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	राजस्थान में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की स्थिति
2.	राजस्थान में बढ़ते प्रीमैच्योर एण्ड अर्ली मेनोपॉज़ के केस
3.	बाघ रेंज राज्यों के मुख्य वन्यजीव वार्डन का राष्ट्रीय सम्मेलन : अलवर
4.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. रोहित कुमार सिंह 2. 51वीं अखिल राजस्थान गुलाब प्रदर्शनी 3. न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. भावना शर्मा 4. प्रखर सिंह धीरावत 5. राज सिंह डूंगरपुर U-14 क्रिकेट प्रतियोगिता : राजस्थान उपविजेता 6. 'आयो बसंत' महोत्सव – 2026 7. राजस्थान खान एवं भूविज्ञान विभाग तथा RSMM को प्रथम पुरस्कार 8. राजस्थान के प्रत्येक मेडिकल कॉलेज में वेलबीइंग सेंटर
5.	वैश्विक शिक्षक पुरस्कार-2026
6.	ई-सांख्यिकी पोर्टल
7.	बिल्ड-ओन-ट्रांसफर मॉडल (BOT)
8.	RBI की मौद्रिक नीति समिति की हालिया बैठक
9.	अग्नि-III

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

राजस्थान में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की स्थिति

चर्चा में क्यों?

- केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा 31 दिसंबर, 2025 तक राजस्थान में प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (PMKSY) के तहत 2 मेगा फूड पार्क, 2 कृषि प्रसंस्करण क्लस्टर, 14 एकीकृत कोल्ड चेन, 24 खाद्य प्रसंस्करण इकाइयाँ और 6 क्रिएशन ऑफ़ बैकवर्ड एंड फ़ॉरवर्ड लिंकेजेज प्रोजेक्ट्स स्वीकृत किए जा चुके हैं।

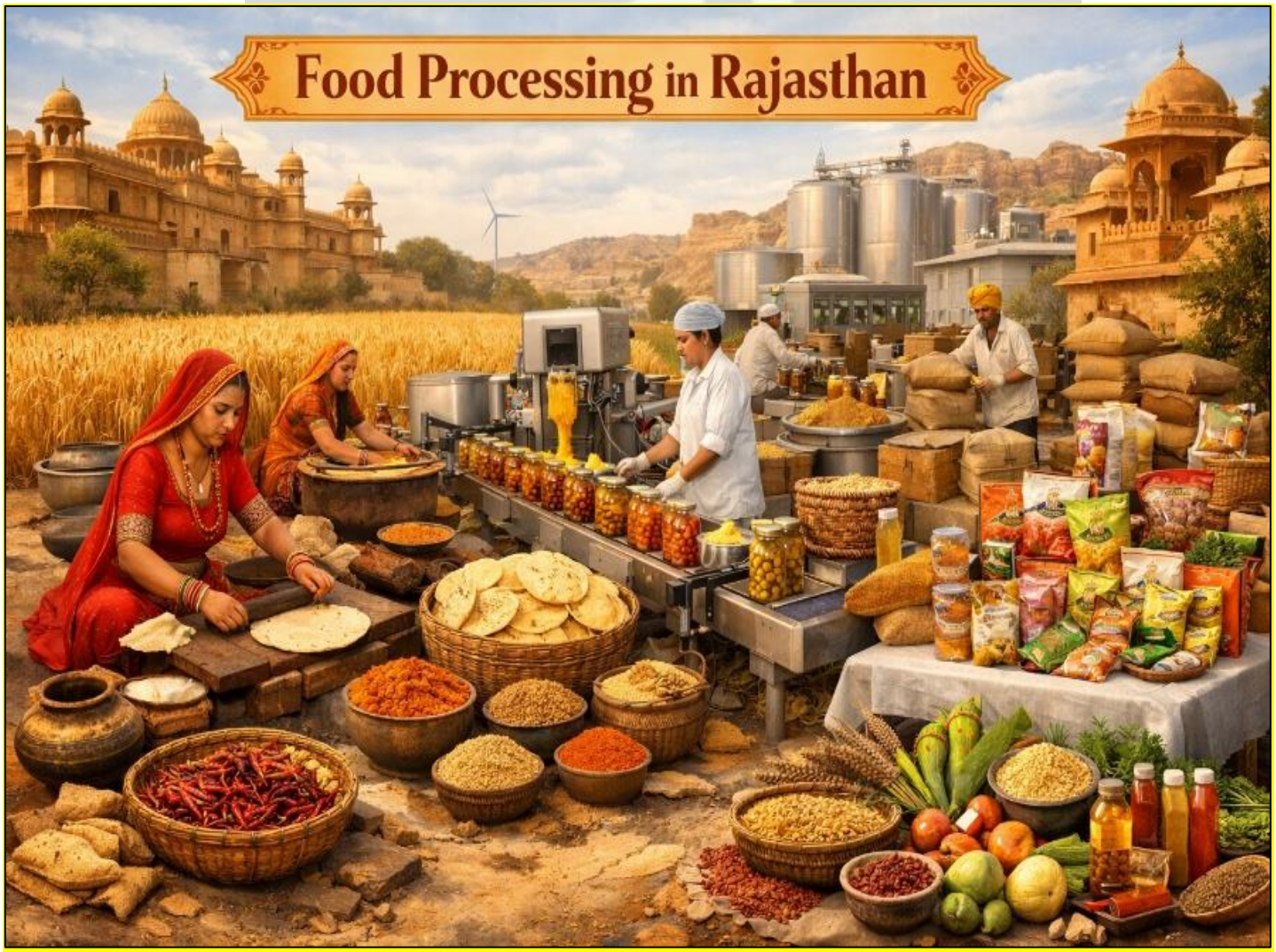

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- साथ ही, मंत्रालय द्वारा केंद्र प्रायोजित सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के औपचारिकीकरण (PMFME) योजना के तहत 1444 सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन योजना (PLISFPI) के तहत 6 परियोजनाएँ स्वीकृत की जा चुकी हैं।
- देश के कृषि निर्यात में प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के निर्यात की हिस्सेदारी वर्ष 2014-15 के 13.7 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 20.4 प्रतिशत हो गई है।
- ज्ञातव्य है कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय दो केंद्रीय क्षेत्र योजनाओं; यथा - प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन योजना के माध्यम से खाद्य प्रसंस्करण अवसंरचना की स्थापना और विस्तार को प्रोत्साहित कर रहा है।
- साथ ही, मंत्रालय द्वारा एक केंद्र प्रायोजित योजना 'सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के औपचारिकीकरण' योजना भी कार्यान्वित की जा रही है। ये तीनों योजनाएँ माँग - आधारित हैं और पूरे देश में लागू की जा रही हैं।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- **PMKSY के तहत 2 मेगा फूड पार्क :** ग्रीनटेक मेगा फूड पार्क, रूपनगढ़, अजमेर (संचालन प्रारंभ), श्रीराम मेगा फूड पार्क प्राइवेट लिमिटेड, पलाना, बीकानेर (प्रस्तावित)।
- **RIICO द्वारा विकसित एग्रो फूड पार्क :** RIICO द्वारा बोरानाडा (जोधपुर), कोटा, अलवर एवं श्री गंगानगर में चार एग्रो फूड पार्क विकसित किए गए हैं। साथ ही, जोधपुर के तिंवरी औद्योगिक क्षेत्र में 33 हेक्टेयर भूमि पर 'एग्रो एवं फूड प्रोसेसिंग जोन' स्थापित किया जाएगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान में बढ़ते प्रीमैच्योर एण्ड अर्ली मेनोपॉज़ के केस

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान में प्रीमैच्योर (40 वर्ष से पहले) और अर्ली मेनोपॉज़ (40-44 वर्ष) के मामलों में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है, जो महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर विषय है।

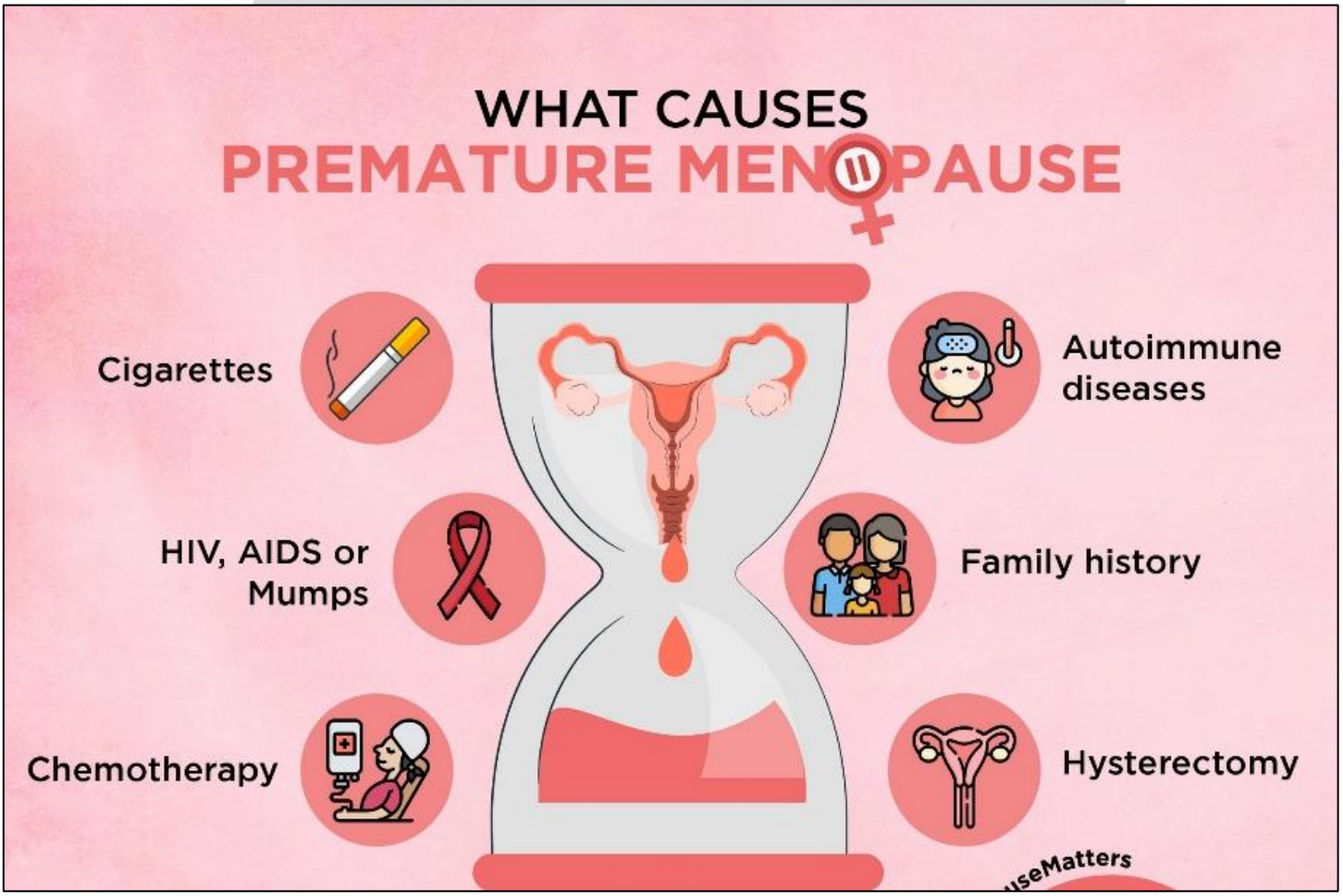

मुख्य बिन्दु:

- नेशनल सेंटर ऑफ बायोटेक्नोलॉजी इनफॉर्मेशन (NCBI) की रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान में वर्ष 2016 में मेनोपॉज़ की दर 1.5 फीसदी थी, जो वर्ष 2024 में 10.92 प्रतिशत पहुंच गई। राज्य में 30 से 34 साल की 1.62 प्रतिशत महिलाओं में मेनोपॉज़ के लक्षण पाए गए हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- प्रीमैच्योर और अर्ली मेनोपॉज़ तब होता है जब अंडाशय (Ovary) काम करना बंद कर देता हैं और पीरियड्स नेचुरल औसत उम्र (लगभग 51 साल) से पहले बंद हो जाते हैं।
- **प्राइमरी ओवेरियन इनसफिशिएंसी (POI) :** इसे 'प्रीमैच्योर ओवेरियन फेलियर' भी कहा जाता है, यह एक ऐसी स्थिति है जहाँ ओवरी 40 साल की उम्र से पहले सामान्य रूप से काम करना बंद कर देती हैं, लेकिन पीरियड्स रुक-रुक कर हो सकते हैं।

कारण :

- प्रीमैच्योर एण्ड अर्ली मेनोपॉज़ के मुख्य कारणों में आनुवंशिक कारक, ऑटोइम्यून बीमारियां, अंडाशय की सर्जरी, कैंसर का इलाज (कीमो/रेडिएशन) और जीवनशैली (धूम्रपान) शामिल हैं।
- **मेडिकल ट्रीटमेंट :** ओवरी को हटाने के लिए सर्जरी (बायलैटरल ऊफोरेक्टॉमी), कीमोथेरेपी, या पेल्विक रेडिएशन।
- **जेनेटिक्स :** वंशानुगत और टर्नर सिंड्रोम जैसी क्रोमोसोमल स्थितियाँ।
- **स्वास्थ्य स्थितियाँ :** ऑटोइम्यून विकार (जैसे - थायराइड रोग, रुमेटाइड आर्थराइटिस)।
- **जीवनशैली :** धूम्रपान, फास्टफूड, अनिश्चित दिनचर्या आदि।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

बाघ रेंज राज्यों के मुख्य वन्यजीव वार्डन का राष्ट्रीय सम्मेलन : अलवर

चर्चा में क्यों?

- सरिस्का टाइगर रिजर्व (अलवर) में 7 और 8 फरवरी, 2026 को व्याघ्र (बाघ) रेंज राज्यों के मुख्य वन्यजीव प्रतिपालकों एवं व्याघ्र आरक्षों के क्षेत्र निदेशकों के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

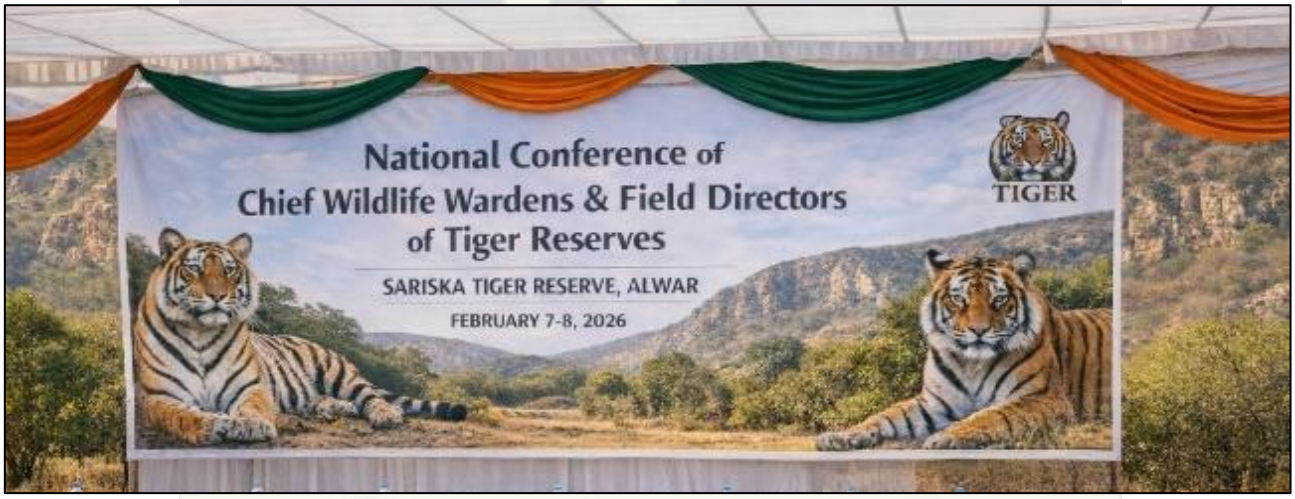

मुख्य बिन्दु:

- **सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य :** राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) की अब तक हुई 28 बैठकों में लिए गए सभी नीतिगत निर्णयों की समीक्षा करना।
- इस अवसर पर केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने NTCA की आउटरीच पत्रिका STrIPES का नवीनतम संस्करण जारी किया तथा राष्ट्रीय प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय (NMNH) द्वारा आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया।
- **नोट :** M-STrIPES (मॉनिटरिंग सिस्टम फॉर टाइगर्स: इंटेंसिव प्रोटेक्शन एंड इकोलॉजिकल स्टेटस) राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) द्वारा बाघों के संरक्षण, निगरानी और वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए कार्यान्वित एक आईटी-आधारित, उन्नत निगरानी प्रणाली है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

राष्ट्रीय प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय (NMNH) द्वारा आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता:

- केंद्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव द्वारा राष्ट्रीय प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय द्वारा आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में विजेता रहे प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

वरिष्ठ श्रेणी:

- **प्रथम स्थान :** कृतिका जैन।
- **द्वितीय स्थान :** आरती शर्मा।
- **तृतीय स्थान :** रक्षित जैन।

कनिष्ठ श्रेणी:

- **प्रथम स्थान :** तनिष्का गुप्ता।
- **द्वितीय स्थान :** खुशी यादव।
- **तृतीय स्थान :** पलक बाई मीणा।

अलवर टाइगर इंटरनेशनल हाफ मैराथन

- **आयोजन :** दूसरा संस्करण 8 फरवरी, 2026 को आयोजित किया गया।
- **थीम :** 'फिट इंडिया मिशन', टाइगर संरक्षण और अलवर पर्यटन को प्रोत्साहन।
- **मुख्य अतिथि :** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा।
- **ब्रांड एंबेसडर :** बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा।

अलवर बर्ड वॉचिंग फेस्टिवल

- **आयोजन :** 7 फरवरी, 2026 को सिलीसेढ़ झील, अलवर।
- **आयोजक :** राजस्थान वन विभाग।
- **नोट :** अलवर स्थित भूरासिद्ध क्षेत्र में मातृवन एवं कटी घाटी पर नगर वन स्थापित किए गए हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

✂️ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**रोहित कुमार सिंह** ■ यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम (USISPF) ने हाल ही में राजस्थान कैडर के पूर्व IAS अधिकारी और पूर्व केंद्रीय सचिव रोहित कुमार सिंह को अपनी 'ग्लोबल वैल्यू चेन' कमेटी का अध्यक्ष और बोर्ड का सलाहकार नियुक्त किया। ■ USISPF एक गैर-लाभकारी संगठन है, जो दोनों देशों के बीच रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी को गहरा करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। ■ रोहित कुमार सिंह भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1989 बैच के राजस्थान कैडर के वरिष्ठ अधिकारी हैं, जिनके पास आर्थिक प्रशासन, उपभोक्ता बाजार, अवसंरचना विकास, डिजिटल प्रशासन, सार्वजनिक स्वास्थ्य तथा सार्वजनिक-निजी भागीदारी जैसे विविध क्षेत्रों का व्यापक अनुभव है।
2.	**51वीं अखिल राजस्थान गुलाब प्रदर्शनी** ■ **आयोजन :** 07 और 08 फरवरी, 2026 को जयपुर स्थित सिटी पार्क में 51वीं अखिल राजस्थान गुलाब प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। ■ **आयोजक :** द रोज सोसाइटी ऑफ राजस्थान द्वारा। ■ प्रदर्शनी में गुलाब की लगभग 300 से 500 से अधिक किस्में प्रदर्शित की गईं।
3.	**न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. भावना शर्मा** ■ हाल ही में, जयपुर निवासी डॉ. भावना शर्मा को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए 'फैलो ऑफ इंडियन कॉलेज ऑफ फिजीशियन' सम्मान से सम्मानित किया गया। ■ डॉ. भावना शर्मा (न्यूरोलॉजिस्ट) को यह सम्मान चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रदान किया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

4.	**प्रखर सिंह धीरावत** ■ जयपुर निवासी प्रखर सिंह धीरावत ने हाल ही में इंफाल (मणिपुर) में आयोजित 69th SGFI नेशनल तलवारबाजी प्रतियोगिता में अंडर-19 वर्ग में कांस्य पदक जीता।
5.	**राज सिंह डूंगरपुर U-14 क्रिकेट प्रतियोगिता : राजस्थान उपविजेता** ■ हाल ही में, मध्य प्रदेश के इंदौर में आयोजित राज सिंह डूंगरपुर U-14 क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में राजस्थान को उत्तर प्रदेश ने हराया। ■ राजस्थान की ओर से गौरव पूनिया ने टूर्नामेंट में सर्वाधिक 22 विकेट लिए। ■ फाइनल में राजस्थान के मुकुल कौशिक ने 110 रन की शतकीय पारी खेली।
6.	**'आयो बसंत' महोत्सव – 2026** ■ **आयोजन :** 31 जनवरी और 1 फरवरी, 2026 को जयपुर स्थित जवाहर कला केंद्र (JKK) में। ■ **आयोजक :** डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान द्वारा। ■ **उद्देश्य :** इस महोत्सव का मुख्य उद्देश्य बसंत ऋतु के आगमन का उत्सव मनाना और शास्त्रीय कलाओं को आधुनिक रचनात्मकता के साथ जोड़कर युवाओं को संस्कृति के प्रति जागरूक करना।
7.	**राजस्थान खान एवं भूविज्ञान विभाग तथा RSMM को प्रथम पुरस्कार** ■ हाल ही में जयपुर में आयोजित इंडिया स्टोन मार्ट - 2026 में सरकारी पवेलियन श्रेणी में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए राज्यपाल हरिभाऊ बागडे व विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राजस्थान खान एवं भूविज्ञान विभाग और RSMM को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
8.	**राजस्थान के प्रत्येक मेडिकल कॉलेज में वेलबीइंग सेंटर** ■ मेडिकल के विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए राजस्थान के प्रत्येक मेडिकल कॉलेज में वेलबीइंग सेंटर एवं राज्य स्तर पर वेलनेस सेल की स्थापना की जाएगी। ■ साथ ही, प्रत्येक संस्थान में एक डीन (मेंटल वेलबीइंग) की नियुक्ति की जाएगी, जो विशेष रूप से छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों की निगरानी करेंगे।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

वैश्विक शिक्षक पुरस्कार-2026

चर्चा में क्यों?

- भारतीय शिक्षक रूबल नागी ने ग्लोबल टीचर प्राइज-2026 जीता है तथा दुबई में आयोजित वर्ल्ड गवर्नमेंट समिट में दस लाख डॉलर का पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

मुख्य बिन्दु:

ग्लोबल टीचर प्राइज:

- **लॉन्च:** वर्ष 2014, इसे शिक्षण का नोबेल पुरस्कार कहा जाता है।
- **प्रस्तुतिकरण:** GEMS एजुकेशन द्वारा।
- इसका आयोजन बर्की फाउन्डेशन द्वारा यूनेस्कों के सहयोग से किया गया।
- यह शिक्षण और सामाजिक परिवर्तन में उत्कृष्ट योगदान देने वाले असाधारण शिक्षकों को सम्मानित करता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

ई-सांख्यिकी पोर्टल

चर्चा में क्यों?

- केन्द्रीय सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अन्तर्गत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) ने ई-सांख्यिकी पोर्टल के लिए मॉडल कॉन्टेक्स्ट प्रोटोकॉल सर्वर का बीटा संस्करण शुरू किया।

मुख्य बिन्दु:

- मॉडल कॉन्टेक्स्ट प्रोटोकॉल तकनीक उपयोगकर्त्ताओं को अपने AI टूल्स और एप्लिकेशनों के माध्यम से डेटा सेट्स से सीधे जुड़ने की सुविधा देती है।
- **उद्देश्य:** यह एक केन्द्रीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म है जिसका उद्देश्य भारत के आधिकारिक सांख्यिकी आँकड़ों तक सुगम और एकीकृत पहुँच प्रदान करना है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

आर्थिक घटनाक्रम

बिल्ड-ओन-ट्रांसफर मॉडल (BOT)

चर्चा में क्यों?

- केन्द्र सरकार वर्ष 2026-27 में सार्वजनिक निजी भागीदारी के माध्यम से राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण को बढ़ावा देने की योजना बना रही है।
- इसमें बिल्ड-ओन-ट्रांसफर मॉडल को प्राथमिकता दी जाएगी।

मुख्य बिन्दु:

BOT मॉडल-अतिरिक्त जानकारी:

- यह एक सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल है। इसमें निजी संस्था परियोजना का वित्त पोषण, डिज़ाइन, निर्माण और संचालन एक निश्चित अवधि तक करती है। इसके बाद परियोजना को हस्तांतरित कर दी जाती है।
- **राजस्व व टोल:** निजी भागीदार को रियायत अवधि के दौरान उपयोगकर्त्ता शुल्क/टोल वसूलने की अनुमति होती है, ताकि वह अपना निवेश वापस पा सके और लाभ कमा सके।
- **जोखिम का दायित्व:** इस मॉडल में निजी क्षेत्र पर जोखिम का भार अपेक्षाकृत अधिक होता है। इनमें यातायात कम होने का जोखिम, वित्तीय जोखिम तथा कुछ मामलों में लागत संबंधि जोखिम भी शामिल होता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

RBI की मौद्रिक नीति समिति की हालिया बैठक

चर्चा में क्यों?

- भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (MPC) ने रेपो दर को 5.25% पर अपरिवर्तित रखने का निर्णय लिया है।

मुख्य बिन्दु:

- एमपीसी ने वित्त वर्ष 2026 के लिए जीडीपी वृद्धि दर को थोड़ा संशोधित करके 7.4% (7.3% से) और खुदरा मुद्रास्फीति को 2.1% (2% से) कर दिया है।
- मुद्रास्फीति के रुझान नरम बने हुए हैं, वित्त वर्ष 2027 की पहली और दूसरी तिमाही में सीपीआई मुद्रास्फीति 4-4.2% रहने का अनुमान है, जो कीमती धातुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण थोड़ा बढ़ गया है, जबकि खाद्य कीमतों में गिरावट समग्र मुद्रास्फीति को कम बनाए रखने में सहायक है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

हालिया नीतिगत निर्णय के पीछे के कारण

- **मजबूत विकास की गति:** मजबूत घरेलू खपत, आयकर में राहत, जीएसटी युक्तिकरण और केंद्रीय बजट में किए गए राजकोषीय उपायों के समर्थन से वास्तविक जीडीपी वृद्धि मजबूत बनी हुई है।
- **बाह्य क्षेत्र की अनिश्चितताएं:** बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की अस्थिर कीमतें और वैश्विक मौद्रिक नीतियों में भिन्नता पूंजी प्रवाह और विनिमय दर स्थिरता के लिए जोखिम पैदा करती हैं।
- **लक्ष्य सीमा के भीतर मुद्रास्फीति:** खुदरा मुद्रास्फीति 2-6% के लक्ष्य बैंड के भीतर बनी हुई है, जिससे तत्काल नीतिगत कार्रवाई की आवश्यकता सीमित हो जाती है।
- **व्यापार समझौतों का प्रभाव:** भारत ने हाल ही में संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय संघ, ओमान और न्यूजीलैंड के साथ व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।
- इन समझौतों से निर्यात और निवेश को बढ़ावा मिलने, बाहरी कमजोरियों को कम करने और मध्यम अवधि के विकास को समर्थन मिलने की उम्मीद है।

भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

- **कर्जदारों और परिवारों पर प्रभाव:** स्थिर ब्याज दरें मध्यम वर्ग के परिवारों और आवास ऋण लेने वालों के लिए वित्तीय अनिश्चितता को कम करती हैं।
- **निवेश और ऋण वृद्धि पर प्रभाव:** स्थिर ब्याज दरें, मजबूत मांग की स्थिति और व्यापार समझौते निजी निवेश के लिए एक पूर्वानुमानित वातावरण बनाते हैं।
- **व्यापक आर्थिक स्थिरता:** यह निर्णय भारत के लचीले मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण ढांचे की विश्वसनीयता को मजबूत करता है और मौद्रिक नीति निर्माण में संस्थागत स्थिरता को दर्शाता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

रेपो रेट क्या है?

- रेपो दर वह दर है जिस पर आरबीआई वाणिज्यिक बैंकों को अल्पकालिक ऋण देता है । यह आरबीआई द्वारा तरलता, मुद्रास्फीति और आर्थिक विकास को नियंत्रित करने के लिए उपयोग किया जाने वाला प्रमुख नीतिगत उपकरण है ।
- कम रेपो दर का मतलब है कि बैंक आरबीआई से सस्ती दरों पर ऋण ले सकते हैं। इससे बैंकों को ऋण दरें कम करने का प्रोत्साहन मिलता है, जिसके परिणामस्वरूप:
  - उपभोक्ताओं और व्यवसायों के लिए ऋण तक आसान पहुंच
  - निवेश, उपभोग और आर्थिक गतिविधि में वृद्धि
  - तरलता और मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि
  - इससे विकास को बढ़ावा मिल सकता है, खासकर आर्थिक मंदी के दौरान।

मौद्रिक नीति समिति (MPC) क्या है?

- MPC एक वैधानिक निकाय है जिसकी स्थापना RBI अधिनियम, 1934 (2016 में संशोधित) के तहत की गई है ।
- मूल्य स्थिरता बनाए रखने के साथ-साथ विकास को ध्यान में रखते हुए, यह मानक ब्याज दर (रेपो दर) निर्धारित करने के लिए जिम्मेदार है।

इसमें 6 सदस्य शामिल हैं:

- RBI से 3 सदस्य (गवर्नर सहित, जो अध्यक्ष हैं)
- सरकार द्वारा नियुक्त 3 बाहरी सदस्य।
- निर्णय बहुमत से लिए जाते हैं, और प्रत्येक सदस्य को एक वोट देने का अधिकार है। टाई होने की स्थिति में, RBI गवर्नर के पास निर्णायक वोट होता है।

लचीला मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण ढांचा (FITF)

- भारत ने 2016 में एक लचीली मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण रूपरेखा को अपनाया। इसके तहत, सरकार RBI के परामर्श से हर पांच साल में मुद्रास्फीति का लक्ष्य निर्धारित करती है।
- जो सीपीआई मुद्रास्फीति का लक्ष्य 4% निर्धारित करता है, जिसमें ±2% की सहनशीलता सीमा है, यानी 2% और 6% के बीच।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विज्ञान प्रौद्योगिकी

अग्नि-III

चर्चा में क्यों?

- भारत ने ओडिशा के समन्वित परीक्षण केंद्र से मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-III का सफल परीक्षण किया।

मुख्य बिन्दु:

अग्नि-III के बारे में

- **विकसितकर्ता:** रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO)
- **विशेषताएँ:** यह दो चरणों वाली और ठोस ईंधन से चालित बैलिस्टिक मिसाइल है।
- **मारक क्षमता (रेंज):** 3000 किमी से अधिक
- **वारहेड्स:** यह पारंपरिक और परमाणु, दोनों प्रकार के हथियार ले जाने में सक्षम है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अग्नि

- यह भारत की स्वदेशी रूप से विकसित लंबी दूरी की मिसाइल प्रणाली है जिसे DRDO द्वारा विकसित किया गया है।
- **अग्नि-I से अग्नि-IV:** रेंज 700–3,500 किमी।
- **अग्नि-V:** तीन चरण वाला ठोस ईंधन इंजन, MIRV-सक्षम, 5,000 किमी की रेंज, अंतरमहाद्वीपीय उड़ान भरने की क्षमता।
- **अग्नि-प्राईम:** दो-चरण वाला ठोस-ईंधन, मारक क्षमता 1,000-2,000 किलोमीटर, उन्नत प्रणोदन/नेविगेशन से युक्त, थर्मोबैरिक या परमाणु युद्धक ले जा सकता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR